जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

जालोर

Rashtradoot

फोनः- 226422, 226423 फैक्सः- 02973-226424 वर्षः 20 संख्याः 312 प्रभात जालोर, बुधवार 18 फरवरी, 2026 पो. रजि. /RJ/SRO/9640/2022-24 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

क्या टूट जाएगा कांग्रेस का सबसे भरोसेमंद गठबंधन

राहुल ब्रिगेड तमिलनाडु में द्रमुक से गठबंधन तोड़ने पर आमादा लग रही है

- **राहुल के करीबी माने जाने वाले माणिकम टैगोर तथा प्रवीण चक्रवर्ती ने द्रमुक के मुखिया तथा राज्य के मुख्यमंत्री स्टालिन से सत्ता में भागीदारी देने और सीटों की संख्या बढ़ाने की मांग की है, जिसे स्टालिन ने पूरी तरह से ठुकरा दिया है।**
- **सूत्रों से पता चला है, ये दोनों नेता-अभिनेता विजय के संपर्क में हैं और उनकी पार्टी से गठबंधन की संभावनाएं तलाश रहे हैं।**
- **कांग्रेस व द्रमुक में तनाव बढ़ता जा रहा है। यहाँ तक कि वरिष्ठ नेता पी. चिदम्बरम् को हस्तक्षेप करना पड़ा, उन्होंने स्टालिन से मुलाकात कर ठंडे छींटे देने की कोशिश की।**
- **लेकिन राहुल टीम के नेता अभी भी अपनी मांगों पर अड़े हुए हैं, उन्हें यह समझ नहीं है कि तमिलनाडु में कांग्रेस का अस्तित्व द्रमुक पर आश्रित है। अगर द्रमुक चुनाव जीतती है तो कांग्रेस भी कुछ सीटें जीत जाती है, अगर द्रमुक हारती है तो कांग्रेस का भी खाता नहीं खुलता।**
- **देखना यह है कि क्या राहुल कांग्रेस के इस सबसे पुराने तथा भरोसेमंद गठबंधन को बचाने के लिए क्या अपनी टीम के नेताओं पर लगाम कसेंगे या वही करेंगे, जैसा उनके सलाहकार चाहते हैं।**

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 17 फरवरी। कांग्रेस और द्रमुक (डीएमके), जैसे पुराने सहयोगियों के बीच तनाव अब चरम पर पहुंच चुका है, तमिलनाडु विधानसभा चुनाव सिर्फ एक महीने दूर हैं। कांग्रेस की सत्ता में हिस्सेदारी और चुनावी सीटों की संख्या बढ़ाने की लगातार मांग ने इसे और बढ़ा दिया है।

मुख्यमंत्री स्टालिन ने दोनों मांगों पर स्पष्ट इन्कार कर दिया है, लेकिन कांग्रेस अपनी मांग लगातार रख रही है। मणिकम टैगोर और प्रवीण चक्रवर्ती दोनों ही जोर-शोर से इसे आगे बढ़ा रहे हैं।

इतना ही नहीं, एआईसीसी के संगठन प्रभारी महासचिव के सी वेणुगोपाल 22 फरवरी को चेन्नई जाने वाले हैं और वे मुख्यमंत्री स्टालिन से मिलने के लिए तैयार हैं, ताकि इस उलझन को सुलझाया जा सके।

चक्रवर्ती ने अभिनेता से नेता बने विजय से मुलाकात की है, ताकि द्रमुक से अलग होकर विजय की पार्टी से गठबंधन किया जा सके।

वरिष्ठ कांग्रेस नेता पी चिदंबरम भी इस घमासान में कूद पड़े और स्टालिन से मुलाकात कर मतभेदों को हल करने की कोशिश की।

उन्होंने प्रवीण चक्रवर्ती का विरोध करने के लिए ट्वीट किया, लेकिन वरिष्ठ नेताओं का कहना है कि समस्या यह है कि प्रवीण राहुल गांधी के करीबी हैं और उन पर प्रभाव रखते हैं, जबकि चिदंबरम वरिष्ठ पीढ़ी से हैं।

विजय भी हालात का फायदा उठाने की कोशिश कर रहे हैं और कांग्रेस को डीएमके से अलग करने और उनके साथ गठबंधन करने के लिए प्रयासरत हैं।

इस वक्त यह लड़ाई मानसिक स्तर पर है, जिसमें राहुल की युवा टीम यह समझाने में लगी हुई है कि अब कांग्रेस को दबाकर रखने का समय खत्म हो चुका है और पार्टी को अपनी स्थिति स्थापित करनी चाहिए।

वे यह समझने में असफल हैं कि कांग्रेस केवल द्रमुक के साथ जीतती है और अकेले वह कभी जीतने की स्थिति में नहीं होती।

लेकिन राहुल अपने समूह से आसानी से प्रभावित हो जाते हैं, बजाय इसके कि वे खुद मामलों को समझें।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

बांग्लादेश के प्र.मंत्री ने बिड़ला से मुलाकात की

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 17 फरवरी। बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारेक रहमान ने मंगलवार को लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला से शिष्टाचार मुलाकात के दौरान भारत और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को शुभकामनाएं दीं, यह मुलाकात नई सरकार के शपथ ग्रहण के बाद हुई।

लोकसभा अध्यक्ष ने उन्हें भारत की शुभकामनाएं और भारत यात्रा का निमंत्रण दिया। दोनों नेताओं ने बांग्लादेश और भारत के लोगों की भलाई के लिए जन-केन्द्रित सहयोग के प्रति आशा व्यक्त की।

- **मुलाकात में बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान ने स्पीकर ओम बिड़ला के मार्फत भारत के प्रधानमंत्री को अपनी शुभकामनाएं भेजीं।**

बिड़ला ने उनके दिल्ली-स्थित कार्यालय से जारी एक बयान में बांग्लादेश की नई सरकार के शपथ - ग्रहण समारोह में शामिल होने पर खुशी व्यक्त की, और कहा, "एक लोकतांत्रिक प्रगतिशील तथा समावेशी राष्ट्र के निर्माण में बांग्लादेश के प्रयासों में सहयोग के लिये भारत तैयार खड़ा है।"

जाते-जाते भी भारत के खिलाफ ज़हर उगल गए मोहम्मद यूनुस

बांग्लादेश के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस ने अपने विदाई भाषण में एक बार फिर भारत के सात पूर्वोत्तर राज्यों को अलग करने की बात कही

- **यूनुस ने कहा, बांग्लादेश, भूटान, नेपाल और ''सैवन सिस्टर्स'' (भारत के सात पूर्वोत्तर राज्य) को मिलाकर एक क्षेत्रीय आर्थिक ढांचा बनाया जाना चाहिए। यूनुस ने पूर्व में भी सैवन सिस्टर्स को भारत से छीन लेने की बात कही थी।**
- **नई सरकार के शपथ लेने के बाद भी ज्यादा बड़ी राहत की उम्मीद नहीं है, क्योंकि नई सरकार में कुछ ऐसे नेताओं को मंत्री बनाया गया है, जिनका इतिहास कट्टर भारत विरोध का रहा है। इनमें सलाहुद्दीन अहमद, रिटायर्ड मेजर हाफिज़उद्दीन अहमद, नुरूल हक नूर, ज़ोनायेद साकी शामिल हैं।**

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 16 फरवरी। बांग्लादेश के निवर्तमान मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस ने जाते-जाते भारत पर कड़ा हमला किया है। उन्होंने एक बार फिर अपने उप-क्षेत्रीय आर्थिक ढांचे की योजना का जिक्र किया, जिसमें बांग्लादेश, भूटान, नेपाल और उत्तर-पूर्व के सात राज्यों के बीच संयुक्त समन्वय की बात कही गई है।

अपने विदाई भाषण में इस विचार को दोहराते हुए, यूनुस ने एक बार फिर उत्तर-पूर्वी राज्यों का जिक्र करते समय भारत का नाम नहीं लिया। खुफिया पर्यवेक्षकों का कहना है कि यूनुस ने एक ऐसा "रणनीतिक संदेश" देने की कोशिश की है, जिसका उद्देश्य अंतरराष्ट्रीय पक्षों के सामने भारत के उत्तर-पूर्व को अलग तरीके से पेश करना है। इस क्षेत्र को सीधे भारतीय क्षेत्र बताने के बजाय, एक उप-क्षेत्रीय आर्थिक समूह के रूप में दिखाना वैश्विक शक्तियों को यह संकेत दे सकता है कि यह क्षेत्र एक बड़े और बातचीत तथा मोल-भाव योग्य आर्थिक क्षेत्र का हिस्सा है।

हालांकि यूनुस की सरकार अब सत्ता से बाहर हो गई है और बीएनपी नेता तारिक रहमान ने प्रधानमंत्री पद की शपथ ले ली है, लेकिन भारत-बांग्लादेश संबंध अभी भी अनिश्चित दिखाई दे रहे हैं। यह महत्वपूर्ण है कि प्रधानमंत्री रहमान के मंत्रिमंडल में कुछ ऐसे लोग शामिल हैं, जिन्हें पहले से कट्टर "भारत विरोधी" (इंडिया हॉक्स) माना जाता रहा है। इनमें सलाहुद्दीन अहमद और मेजर (सेवानिवृत्त) हाफिज उद्दीन अहमद जैसे लोग शामिल हैं, जो भारत की सीमा सम्बन्धी नीतियों और जल बंटवारे के समझौतों के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

गावस्कर और कपिल सहित 14 क्रिकेटर्स ने इमरान खान के स्वास्थ्य के प्रति चिंता जताई

इन क्रिकेटर्स ने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शाहबाज़ शरीफ़ को चिट्ठी लिखी

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 17 फरवरी। पाकिस्तान के पूर्व कप्तान इमरान खान के प्रति सहभाव दर्शाते हुए 14 जाने-माने क्रिकेटर्स, जिनमें सुनील गावस्कर व कपिल देव भी शामिल हैं, ने मंगलवार को पाक प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ को पत्र लिखा और इमरान खान के स्वास्थ्य के प्रति चिंता दर्शाई तथा अपील की कि इमरान खान को बेहतर चिकित्सा सुविधा दी जाए।

पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान ग्रेग चैपल द्वारा तैयार किए गए पत्र पर सुनील गावस्कर, कपिल देव, ऐलन बॉर्डर, स्टीव वॉ, इयान चैपल, माइक एथर्टन, नासिर हुसैन, माइक ब्रेयरले, डेविड गावर, क्लाइव लॉयड और जॉन राइट जैसे क्रिकेट दिग्गजों ने हस्ताक्षर किए हैं।

- **क्रिकेटर्स ने कहा, इमरान खान खेल की दुनिया में एक सम्मानित नाम हैं, उनके साथ सम्मानजनक व्यवहार होना चाहिए, उन्हें पर्याप्त चिकित्सा सुविधा दी जानी चाहिए। क्रिकेटर्स ने इमरान खान की दाहिनी आँख की दृष्टि बेहद कम होने पर भी चिंता जताई।**
- **यह चिट्ठी ऑस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेट कप्तान ग्रेग चैपल ने लिखी थी तथा सुनील गावस्कर, कपिल देव, एलन बॉर्डर, स्टीव वॉ, ईअन चैपल, माइक एथरटन, नासिर हुसैन, माइक ब्रेयरली, डेविड गोवर, क्लाइव लॉयड और जॉन राइट ने इस पर हस्ताक्षर किए हैं।**

पूर्व कप्तानों ने पत्र में लिखा, "उनके स्वास्थ्य को लेकर हालिया रिपोर्ट्स, विशेष रूप से उनकी दृष्टि में आ रही खतरनाक गिरावट और पिछले ढाई सालों में उनकी जेल की स्थिति ने हमें गहरी चिंता में डाल दिया है।"

उन्होंने कहा, हम मानते हैं कि इमरान खान जैसे व्यक्ति, जो एक पूर्व राष्ट्रीय नेता और एक वैश्विक खेल

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विख्यात फिल्म लेखक सलीम खान आईसीयू में

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 17 फरवरी। बॉलीवुड के दिग्गज पटकथा लेखक 90 वर्षीय सलीम खान की तबियत बिगड़ने पर उन्हें मुंबई के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

सूत्रों के अनुसार, सलीम खान के सबसे बड़े बेटे और बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान अपने पिता को देखने बांद्रा के लीलावती अस्पताल पहुंचे।

पीटीआई के अनुसार, सलीम खान को सुबह अस्पताल में भर्ती कराया गया था। वे फिलहाल अस्पताल के इंटेन्सिव केयर यूनिट (आईसीयू) में हैं।

सलीम खान की बेटी अलवीरा खान, दामाद अतुल अग्निहोत्री और दोहिते अयान अग्निहोत्री ने भी अस्पताल में जाकर उन्हें देखा। सलीम खान की गोद ली हुई बेटी अर्पिता खान के पति, अभिनेता आयुष शर्मा भी अस्पताल में देखे गए। सलीम खान अपने पूर्व सहयोगी जावेद अख्तर के साथ "शोले", "हाथी मेरे साथी", "जंजीर" और "मि. इंडिया" जैसी कालजयी फिल्में लिखने के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने 24 नवम्बर 2025 को अपना 90वां जन्मदिन मनाया था।

तीस साल "बेगमों की सल्तनत" के बाद, बांग्लादेश को नया प्रधानमंत्री मिला

पर, पुरानी आदतें और परम्पराएं पीछा नहीं छोड़ रहीं, और देश के निवर्तमान अंतरिम सलाहकार, मोहम्मद यूनुस का भारत विरोधी रवैया व व्यवहार बार-बार सिर उठा रहा है

- **जमात-ए-इस्लामी पार्टी भी जोर दे रही है कि नवनिर्वाचित सांसदों की सबसे बड़ी प्राथमिकता है, देश के लिए, नया संविधान तैयार करना।**
- **पर, नवनिर्वाचित प्रधानमंत्री का कहना है कि सांसद पार्लियामैंट में इसलिए निर्वाचित हुए हैं कि सरकार का गठन करें, न कि इसलिए वे नया संविधान तैयार करें।**
- **नवनिर्वाचित प्र.मंत्री रहमान चाहते हैं, सरकार की प्राथमिकता, आर्थिक एजेंडा होना चाहिए, इकोनॉमिक डवलपमैंट तथा बेरोज़गारी खत्म करना।**
- **प्र.मंत्री रहमान की सरकार की सफलता इस बात से आंकी जाएगी कि इन मूल आर्थिक मुद्दों से वे किस हद तक निपटते हैं, न कि इस बात से कि भारत के साथ झूठी प्रतिस्पर्धा में कितनी प्रगति करी।**

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 16 फरवरी। बांग्लादेश के नए चुने गए नेता तारिक रहमान ने, भ्रम की स्थिति के बीच, नए प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ली। यह भ्रम देश के संविधान में बदलाव को लेकर था।

जहां विपक्षी दल जमात-ए-इस्लामी का कहना था कि संसद के नए सदस्यों को देश के संविधान में संशोधन की प्रक्रिया शुरू करनी चाहिए, वहीं सत्तारूढ़ पार्टी का कहना था कि सदस्यों को सरकार बनाने के लिए चुना गया है, न कि संविधान में सुधार करने के लिए।

नई सरकार के गठन के साथ ही स्थिति और उलझ गई, जब अंतरिम सरकार के पूर्व मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस ने भारत के खिलाफ अपना जाना-पहचाना हमला शुरू कर दिया।

मोहम्मद यूनुस शायद पर्दे के पीछे से घटनाओं को प्रभावित करने और कुछ सत्ता अपने पास बनाए रखने की कोशिश कर रहे हैं। वहीं नई सरकार अतीत की राजनीति और अतिरिक्त संवैधानिक शक्तियों की छाया से बाहर निकलने की कोशिश कर रही है।

यह एक महत्वपूर्ण घटना है। रहमान का चुनाव उस शासन के तीस साल के दौर को समाप्त करता है, जिसे बेगमों का शासन कहा जाता है। पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना और पूर्व प्रधानमंत्री तथा पूर्व राष्ट्रपति ज़ियाउर रहमान की पत्नी बेगम खालिदा ज़िया के बीच पिछले तीस वर्षों से टकराव चलता रहा था।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मैक्रों से मिलने मुम्बई गए प्र.मंत्री

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 17 फरवरी। फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों तीन दिवसीय भारत दौरे पर है। मैक्रों से मिलने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मंगलवार को मुम्बई गए।

फ्रांस भारत के साथ अपनी सैन्य साझेदारी को विस्तार देने की कोशिश कर रहा है, और मैक्रों की पीएम मोदी से संभवतया आर्टिफिशयल इंटैलीजैंस में सहयोग व कृत्रिम डसॉल्ट राफेल जेट सौदा होगा।

- **फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रों भारत के तीन दिवसीय दौरे पर सोमवार देर रात मुम्बई पहुँचे थे।**

दोनों नेता क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर भी विचार-विमर्श करेंगे और भारत-फ्रांस रणनीतिक साझेदारी में हुई प्रगति की समीक्षा करेंगे।

मैक्रों सोमवार रात लगभग मध्यरात्रि को अपनी पत्नी ब्रिजित के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

इण्डिया एआई समिट में बिल गेट्स का नाम "ड्रॉप" हुआ?

ऐसा कहा जा रहा है कि बिल गेट्स का नाम इसलिए ड्रॉप हुआ है, क्योंकि दुराचारी एप्स्टीन की फाइलों में बिल गेट्स का नाम भी उजागर हुआ है

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 17 फरवरी। वैश्विक प्रौद्योगिकी कूटनीति की दुनिया में, अनुपस्थितियां भाषणों से अधिक प्रभावशाली होती हैं। इसलिए जब यह रिपोर्टें आईं कि बिल गेट्स का नाम 2026 के इंडिया ए.आई. इम्पैक्ट समिट की आधिकारिक वेबसाइट से चुपचाप गायब हो गया, तो इस खामोशी ने तूफान खड़ा कर दिया।

क्या गेट्स को हटा दिया गया था? क्या उन्होंने अपना नाम वापस ले लिया था? या यह केवल एक डिजिटल गड़बड़ी थी, जिसे भू-राजनीतिक नाटक में बदल दिया गया?

पिछले कुछ दिनों में, सरकार, समिट आयोजकों और गेट्स फाउंडेशन ने ऐसे संकेत दिए हैं, जो पूरी तरह से मेल नहीं खाते, जिससे भारत की राजधानी दिल्ली में आयोजित इस प्रमुख आर्टिफिशियल इन्टैलीजैंस (ए.आई.) समिट के सबसे हाई प्रोफाइल आमंत्रितों में से एक बिल गेट्स को लेकर भ्रम की स्थिति उत्पन्न हो गई।

विवाद तब शुरू हुआ, जब गेट्स का नाम, जो पहले "ग्लोबल विज़नरीज़" के तहत सूचीबद्ध था, अब समिट की आधिकारिक वेबसाइट के कुछ हिस्सों पर दिखाई नहीं दे रहा था। मीडिया रिपोर्ट्स ने जल्दी ही इसका पालन किया, जिसमें नामी सरकारी सूत्रों के हवाले से यह कहा गया कि गेट्स "संभावित रूप से उपस्थित नहीं होंगे",

- **बिल गेट्स ने भी स्वीकार किया कि 2010 में वे एप्स्टीन से मिले थे, परोपकारी व दान की संभावना के लिए, हालांकि, यह मुलाकात एक गलती थी तथा वे एप्स्टीन के टापू पर कभी नहीं गए।**
- **एआई समिट की वैबसाइट से बिल गेट्स का नाम हटा दिया गया है, हालांकि, इस बारे में भारत सरकार का कोई अधिकृत वक्तव्य नहीं आया है।**
- **दूसरी ओर बिल गेट्स के ऑफिस ने पुरज़ोर ढंग से दावा किया कि वे भारत की एआई समिट में जरूर शामिल होंगे तथा मुख्य भाषण भी देंगे।**
- **सच्चाई क्या है, यह समिट के समाप्त होने के बाद, धुंध साफ होने पर ही जाहिर होगा।**

क्योंकि हाल ही में यू.एस. द्वारा जारी दस्तावेजों में सेक्स अपराधी जेफरी एप्स्टीन के साथ इनका नाम आया था।

इन रिपोर्ट्स में यह संकेत दिया गया था कि भारत सार्वजनिक भावना को ध्यान में रखते हुए, "पीड़ितों के साथ खड़ा है", इसका अर्थ था कि गेट्स की भागीदारी पर पुनर्विचार किया गया था।

हालाँकि, इसमें एक महत्वपूर्ण चेतावनी थी, प्रधानमंत्री कार्यालय या इलैक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्रालय द्वारा गेट्स का औपचारिक रूप से निमंत्रण वापस लेने के संबंध में कोई लिखित बयान जारी नहीं किया गया था। "सरकारी सूत्रों" द्वारा दी गई टिप्पणियों को किसी आधिकारिक प्रेस विज्ञप्ति से समर्थन नहीं मिला था।

लगभग उसी समय, गेट्स फाउंडेशन ने अपनी स्थिति स्पष्ट की। फाउंडेशन ने कहा कि गेट्स समिट में भाग लेंगे और अपना निर्धारित मुख्य भाषण देंगे। फाउंडेशन के अनुसार, उनकी भागीदारी में कोई परिवर्तन नहीं हुआ है।

यह बयान सीधे तौर पर उस बात का खंडन करता है, जिसमें यह कहा गया था कि उनका नाम हटा दिया गया था। इसने समिट आयोजकों की ओर भी ध्यान खींचा, जिन्होंने अब तक वेबसाइट लिस्टिंग और फाउंडेशन के दावे के बीच विसंगति को स्पष्ट करने के लिए कोई विस्तृत स्पष्टीकरण जारी नहीं किया।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'अजित पवार विमान हादसे की सीबीआई जांच हो'

मुंबई, 17 फरवरी। महाराष्ट्र की उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार ने मंगलवार को मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से मुलाकात कर अजित पवार विमान हादसे की सीबीआई जांच की मांग की। इस मौके पर एन.सी.पी. (ए.पी.) के कार्यकारी अध्यक्ष प्रफुल्ल पटेल, प्रदेश अध्यक्ष सुनील तटकरे, मंत्री हसन मुश्रीफ और पार्थ पवार मौजूद थे। मुख्यमंत्री फडणवीस से मुलाकात के बाद एन.सी.पी. (ए.पी.) अध्यक्ष सुनील तटकरे ने पत्रकारों को बताया कि पूर्व उपमुख्यमंत्री अजित पवार की विमान हादसे में मौत के बाद कुछ शंका व्यक्त की जा रही है और विमान हादसे की सच्चाई आम जनता जानना चाहती है। इसलिए इस घटना की गहन छानबीन और हर तरह के तथ्यों की जांच देश की उच्च स्तरीय जांच एजेंसी सीबीआई से करवाना जरुरी है।

- **उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार ने मुख्यमंत्री फड़णवीस से मांग की।**